भारत सरकार
नागर विमानन मंत्रालय
लोक सभा
लिखित प्रश्न संख्या: 1940
गुरुवार, 11 दिसंबर, 2025/20 अग्रहायण, 1947 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानन क्षेत्र में चुनौतियाँ

1940. श्री विजय कुमार हाँसदाकः

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या उच्च परिचालन लागत, बुनियादी ढांचे की बाधाएं और मानव संसाधन की लगातार कमी देश के विमानन क्षेत्र के सामने आने वाली कुछ प्रमुख चुनौतियां हैं;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या हवाई यात्रा में सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विमानन क्षेत्र में संरचनात्मक और प्रशासनिक सुधार करने की सरकार की कोई योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (घ): हवाईअड्डों पर अवसंरचना का विस्तार और विकास एक सतत प्रक्रिया है जिसे भूमि की उपलब्धता, वाणिज्यिक व्यवहार्यता और साथ ही निर्धारित विमान परिचालन के संदर्भ में अन्य सुविधाओं के आधार पर समय-समय पर यात्री मांग के पूर्वानुमान, विमान परिचालनों की संरक्षा के लिए प्रचालन/विनियामक अपेक्षाओं और एयरलाइनों की मांग के अनुसार किया जाता है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए), नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) में कार्यबल की स्थिति का ब्यौरा अनुलग्नक-I के रूप में संलग्न है।

कार्यबल आवश्यकताओं में कमी ने इन संगठनों की कार्यप्रणाली को प्रभावित नहीं किया है।

विमानन क्षेत्र में संरचनात्मक और प्रशासनिक सुधार अंतरराष्ट्रीय विमानन मानकों और विकसित तकनीकी रुझानों पर आधारित एक सतत प्रक्रिया है।

अनुलग्नक I

नागर विमानन महानिदेशालय) डीजीसीए(, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण) एएआई(और नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो)बीसीएएस (में स्वीकृत पदों के प्रति रिक्त पदों का ब्यौरा:

(दिनांक 30.11.2025 को)

******

संगठन का नाम	स्वीकृत पद	भरे हुए पद	रिक्त पद
नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो	598	395	203
नागर विमानन महानिदेशालय	1630	836	794
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण	25730	15959	9771